नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Raigarh - 10 Nov 2022 - 10rag03

मनुष्य तीन तरह का हो, भक्त-दाता या शूर' -डॉ. देवधर महंत

नवभारत रिपोर्टर । खरसियां। विभागीय साहित्यिक गतिविधियों के लिए खरसिया महाविद्यालय का हिन्दी विभाग, पूरे प्रदेश में श्रेष्ठ है। एक प्रसिद्ध विद्वान प्रोफेसर के द्वारा नैक मूल्यांकन के पूर्व महाविद्यालय खरसिया का दौरा किया गया था। उन्होंने खरसिया के हिन्दी विभाग को छत्तीसगढ़ का सबसे अच्छा हिन्दी विभाग बताया था। हिन्दी विभाग के छात्र व शिक्षक दिनांक 8 नवम्बर को हिन्दी व छत्तीसगढ़ी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. देवधर महंत से उनके निवास स्थान ग्राम झरना जिला सक्ती पहुँचकर साहित्यिक परिचय प्राप्त किए। डॉ. रमेश टण्डन के मार्गदर्शन में एम ए हिन्दी तृतीय सेमेस्टर के अनेक छात्र डॉ. महंत से मिले। उनकी वाणी से अभिभूत हुए। प्रभारी प्राध्यापक हिन्दी भाषा साहित्य परिषद जयराम कुर्रे एवं विभागीय प्राध्यापक दिनेश संजय के कुशल नेतृत्व में यह सौभाग्य हिन्दी के छात्रों को मिला। उनके साहित्यिक परिवेश का ज्ञान प्राप्त करने के दौरान छात्रों ने बहुत सी बातें उनसे सीखी। डॉ. महंत ने कहा कि मनुष्य को तीन तरह का होना चाहिए। भक्त, दाता या शूर। ऐसे ही अनेक सारगर्भित जानकारियों को छात्र मंत्रमुग्ध होकर उनसे सुनते रहे। वर्तमान में डॉ. देवधर महंत के साहित्यिक कार्यों पर शोध कार्य (पी-एच.डी.) हो रहे हैं। प्रियंका पटैल, रेशमा चैहान, सोनिया चैहान, सुनीता सिदार, रूकमणी पटेल, मुकेश पटैल, कौशिल्या गबेल, हीना, मोंगरा राठिया, विवेक, अनिल, संजना राठिया, ट्विंकल वैष्णव सहित शोध छात्रा श्रीमती वंदना जायसवाल के लिए वह क्षण अविस्मरणीय रहा।